# सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 351 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 30 जनवरी, 2026

मूल्य ₹ 3/-

वो जिसका ज्ञान बस किताबों तक सीमित है और जिसका धन दूसरों के कब्जे में है, वो जरूरत पड़ने पर न अपना ज्ञान प्रयोग कर सकता है न धन।

-चाणक्य


ग्रेस-मंधाना ने यूपी वॉरियर्स को... 7 | आप की गुजरात में आक्रामक रणनीति... 3 | यूजीसी लाने का उद्देश्य भी स्पष्ट... 2


# यहां के हम सिकंदर

## सच की भट्टी में तपकर निकला 4PM इस महीने भी नम्बर वन

» लगातार दो वर्षों से जन-जन की आवाज बना 4PM कामयाबी के शिखर पर

» संघर्ष के शोले, ज़िद सच की और झुकने से इनकार की कसम ने बनाया नम्बर वन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सच कभी आराम से पैदा नहीं होता। सच की पैदाइश हमेशा संघर्ष की कोख से होती है। धमकियों, दबावों और साजिशों बीच जब कोई मंच खड़ा होता है तो वह सिर्फ़ मीडिया हाउस नहीं रहता वह आंदोलन बन जाता है। और 4PM ऐसा ही एक आंदोलन है।

सच्चाई की भट्टी, संघर्ष के शोले, सच की ज़िद और किसी भी दबाव के आगे न झुकने की कसम इन साजो सामान के साथ शुरू हुआ 4PM का सफर आज कामयाबी की बुलंदियों को छू रहा है। सिरमौर बन चुका है। यह कोई इत्तेफाक नहीं है। यह कोई संयोग नहीं है। और यह किसी एक महीने की कहानी तो बिल्कुल नहीं। लगातार दो वर्षों से वेब मीडिया में नंबर वन। जी हां एक बार फिर इस महीने भी 4PM ने देश में नंबर वन रैंकिंग हासिल की है। और यह उन तमाम साजिशकर्ताओं के मुंह पर जोरदार तमाचा है जो यह सोच बैठे थे कि सत्ता के दम पर डरा लेंगे। जिसके साथ देश के आम लोगों का भरोसा जुड़ा हो जिसके सिर पर ईश्वर का हाथ हो उसे कोई सत्ता कोई धमकी, कोई षड्यंत्र डरा नहीं सकता।

### नंबर वन रैंक नहीं जनता का जनादेश है

वेब मीडिया की दुनिया में नंबर वन बनना आसान नहीं। यहां न तो सरकारी विज्ञापन बचाते हैं और न ही सत्ता की गोद में बैठना काम आता है। यहां सिर्फ दो चीजें काम आती है और वह हैं सच और साहस। 4PM ने दोनों को चुना और इसी वजह से वह जनता द्वारा चुना गया क्योंकि जिस समय देश के अन्य मीडिया संस्थान क्या चल रहा है दिखा रहे थे उस समय 4PM साहस के साथ पूछ रहा था कि यह क्यों चल रहा है? जब बाकी के मंच सत्ता की भाषा बोल रहे थे तब 4PM जनता की पीड़ा को शब्द दे रहा था। इसीलिए आपका प्यार, आपका विश्वास, और आपकी दुआएं ही 4PM की असली ताकत हैं। हर हमले के बाद यही ताकत 4PM को और मजबूत बनाती है। यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं यह लाइन सिर्फ एक भाव नहीं बल्कि यह 4PM की आत्मा है। यह लड़ाई है सच की आवाज को जिंदा रखने की झूठ की सत्ता से टकराने की और डर को रौंदकर आगे बढ़ने की जो लोग सोचते हैं कि मीडिया को खरीदा जा सकता है उन्हें 4PM एक सबक है। और जो समझदार हैं वह जानते हैं कि इतिहास लिखने के लिए कलम को तलवार बनाना पड़ता है।

**Top Political Commentators on YouTube – Views Market Share (December 2025)**

Excl. mainstream media. View Count as of 27th January 2026 for December Uploaded videos only

| Rank | Channel | #Views (Million) | Views Share |
|---|---|---|---|
| 1 | 4PM | 141.3 | 10% |
| 2 | DB live | 90.0 | 7% |
| 3 | Ulta Chasma uc | 86.2 | 6% |
| 4 | The Jaipur Dialogues | 82.2 | 6% |
| 5 | Dhruv Rathee | 80.1 | 6% |
| 6 | The Live Tv | 78.6 | 6% |
| 7 | NMF News | 66.5 | 5% |
| 8 | Ajit Anjum | 55.5 | 4% |
| 9 | RJ Raunac | 51.8 | 4% |
| 10 | GLOBAL BHARAT TV | 47.9 | 4% |
| | Headlines India | 42.1 | 3% |
| | Sarthak Goswami | 39.0 | 3% |
| | CAPITAL TV | 36.5 | 3% |
| 14 | Abhisar Sharma | 35.6 | 3% |
| 15 | online news india | 34.1 | 3% |
| 16 | THE CHANAKYA DIALOGUES HINDI | 33.6 | 2% |
| 17 | Ravish Kumar Official | 32.5 | 2% |
| 18 | The Newspaper | 30.4 | 2% |
| 19 | Earth 24 | 30.1 | 2% |
| 20 | The Deshbhakt (Akash Banerjee) | 30.1 | 2% |
| 21 | Apka Akhbar | 29.1 | 2% |
| 22 | HCN News | 27.1 | 2% |
| 23 | Bharat Samachar | 25.2 | 2% |
| 24 | Jai Maharashtra News | 23.2 | 2% |
| 25 | VK News | 22.7 | 2% |
| 26 | Deepak Sharma | 21.9 | 2% |
| 27 | Harish Burnwal | 20.7 | 2% |
| 28 | The Credible History | 19.9 | 1% |
| 29 | Nation 360 | 19.3 | 1% |
| 30 | The News | 19.0 | 1% |

## संपादक हो कैसा? संजय शर्मा जैसा

अगर 4PM एक किला है तो उसकी सबसे मजबूत दीवार का नाम है संजय शर्मा। संजय शर्मा कोई साधारण संपादक नहीं। वह पत्रकारिता का सिरमौर हैं। सच्ची खबरों के हीरो हैं और उन चंद लोगों में से हैं जो यह मानते हैं कि संपादक का काम खबर रोकना नहीं सच के साथ खड़ा रहना है। संजय शर्मा वह संपादक हैं जो तमाम दबाव अपने ऊपर ले लेते हैं ताकि उनकी टीम निर्भय होकर जनहित के मुद्दे उठा सके। वह सौदे नहीं करते। वह झुकते नहीं। वह बस खड़े रहते हैं सच के साथ। जब फोन आते हैं जब इशारे होते हैं जब चेतावनियां दी जाती हैं तो वह अपनी टीम से बस इतना कहते हैं खबर सही है फिर छापो बाकी मैं देख लूंगा। यही वजह है कि 4PM की टीम जनता की सच्ची नुमाइंदगी करती है।

## 'लड़ाई सच को जिंदा रखने की'

इतिहास यूं ही नहीं रचा जाता इतिहास लिखने वाले तालियां नहीं ढूंढते वह सच ढूंढते हैं। 4PM ने यही किया। इसीलिए आज वह नंबर वन है। इसे बनाए रखिएगा। क्योंकि यह लड़ाई किसी एक चैनल की नहीं किसी एक संपादक की नहीं किसी एक पत्रकार की नहीं यह लड़ाई है, सच को ज़िंदा रखने की।

## क्या-क्या, कैसे-कैसे दबाव, कैसी-कैसी साजिशें

पिछले वर्षों में 4PM को तोड़ने की हर संभव कोशिश की गयी। कभी विज्ञापन रोकने की चाल कभी झूठे नैरेटिव कभी व्यक्तिगत हमले कभी कानूनी डर और कभी सोशल मीडिया ट्रोलिंग लेकिन एक चीज नहीं बदली और वह है सच की लाइन। जो लोग सोचते थे कि थक जाएंगे वह भूल गए थे कि यह थकान से नहीं तपकर निकला मंच है। हर साजिश के बाद 4PM और मजबूत हुआ। हर हमले के बाद उसकी विश्वसनीयता बढ़ी। क्योंकि जनता सब देखती है। और जब जनता साथ खड़ी हो जाए तो सत्ता भी बौनी लगने लगती है।

# यूजीसी लाने का उद्देश्य भी स्पष्ट हो : अखिलेश यादव

**» बोले सपा प्रमुख- सच्चा न्याय किसी के साथ अन्याय नहीं करता**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूएनआई) के नए समानता संबंधी नियमों पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक का स्वागत किया है। कानून की भाषा स्पष्ट होनी चाहिए, और उसका उद्देश्य भी स्पष्ट होना चाहिए। यह केवल नियमों की बात नहीं है, बल्कि उद्देश्य की भी बात है। किसी पर अत्याचार न हो, किसी के साथ अन्याय न हो। किसी पर जुल्म या अत्याचार न हो, किसी के साथ अन्याय न हो।

अखिलेश यादव ने कहा कि न्यायालय ने यह सुनिश्चित किया है कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा, क्योंकि वे एक अधिक एकीकृत समाज के लिए प्रयासरत हैं। अखिलेश यादव ने एक पोस्ट में कहा कि सच्चा न्याय किसी के साथ अन्याय नहीं करता, माननीय न्यायालय ने ठीक यही सुनिश्चित किया है।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2026 में सामान्य वर्ग के खिलाफ कथित भेदभाव को लेकर देश भर में मचे बवाल के बीच, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इन विनियमों पर रोक लगा दी। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि फिलहाल 2012 के यूजीसी विनियम लागू रहेंगे। न्यायालय ने कहा कि विनियम 3 (सी) (जो जाति-आधारित भेदभाव को परिभाषित करता है) में पूरी तरह अस्पष्टता है और इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। न्यायालय ने कहा, भाषा में संशोधन की आवश्यकता है।

## सपा छोड़ बीएसपी में शामिल हो गए हफीज भारती

बाराबंकी में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। बाराबंकी की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर हो गया। सपा के कद्दावर नेता और नगर पालिका परिषद बाराबंकी के पूर्व अध्यक्ष हफीज भारती ने बुधवार, 28 जनवरी को सपा का दामन छोड़ दिया था। इसके बाद अब उन्होंने मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में घर वापसी कर ली है।सपा के प्रदेश सचिव रहे हफीज भारती का पार्टी छोड़ना बाराबंकी में आगामी चुनावों से पहले अखिलेश यादव के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है. हफीज भारती ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ लखनऊ में बसपा सुप्रीमो मायावती से मुलाकात की, जिसके बाद बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने उन्हें आधिकारिक तौर पर पार्टी की सदस्यता दिलाई।

## अल्पसंख्यक समुदाय में हफीज भारती की गहरी पैठ

हफीज भारती बाराबंकी नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रह चुके हैं और क्षेत्र के अल्पसंख्यक समुदाय में उनकी गहरी पैठ है. वह पूर्व में स्थानीय निकाय चुनाव के तहत सपा के टिकट पर एमएलसी प्रत्याशी भी रह चुके हैं, जिससे उनका राजनैतिक कद स्पष्ट होता है।

# आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट में किसानों के लिए कुछ नहीं : अवधेश प्रसाद

**» सपा सांसद बोले- श्रमिकों की मजदूरी को आज की महंगाई के हिसाब से बढ़ाए**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा, वित्त मंत्री ने आज सदन में आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत की है, जिसमें किसानों के लिए कुछ नहीं है। किसान हमारा अन्नदाता है। हमारे देश के करीब 72 फीसदी लोग कृषि से जुड़े हैं। जब तक हमारा किसान खुशहाल नहीं होगा, तब तक हमारा देश खुशहाल नहीं हो सकता। सरकार 2047 में देश को जहां पर देखना चाहती है, ऐसा लगता है कि वे झूठ बोल रहे हैं, लेकिन हकीकत कुछ और है।

सपा सांसद ने विकसित भारत-जी रामजी विधेयक को लेकर कहा, यह पहले मनरेगा था, जो करीब 20 वर्ष पुरानी योजना थी। यह योजना मजदूर वर्ग के लिए थी। 20 साल पहले जो मजदूरी थी, तब से आज तक हमारी मुद्रा की क्रय शक्ति घटी है। इसके फलस्वरूप महंगाई बढ़ी है। भारत में सोना और चांदी की कीमत महंगी हो गई है, जितनी दुनिया के किसी और देश में नहीं है, सभी चीजें महंगी हो गई हैं।,अगर सही मायने में सरकार किसानों की हितैषी है, तो वे सबसे पहले किसानों और श्रमिकों की मजदूरी को आज की महंगाई के हिसाब से बढ़ाए।

उन्होंने कहा, वहीं, आज के समय में करोड़ों किसान श्रमिक ऐसे हैं, जिन्होंने मेहनत और मजदूरी की है, लेकिन उन्हें उसका भुगतान नहीं मिला है। इनकी संख्या सैकड़े और हजारों में नहीं बल्कि करोड़ों में है। आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट में इसके बारे में कुछ नहीं कहा गया है, तो इसका मतलब यह माना जाए कि मजदूरों ने जो काम किया है, उसका भुगतान होने वाला नहीं है।

## पिछला भुगतान पूरा कराना चाहिए

सपा सांसद ने कहा, सरकार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उन्होंने योजना के तहत कार्यदिनों की संख्या बढ़ाकर 125 दिन की है. देश के अधिकांश श्रमिक ऐसे हैं, जो दूसरे राज्यों में जाकर अपना जीविकोपार्जन करते हैं, ऐसे में 125 दिन की जगह इनकी संख्या 200 करनी चाहिए थी. सरकार को पिछला भुगतान पूरा कराना चाहिए और भुगतान को आज के जमाने के हिसाब से करना चाहिए था।

## आर्थिक समीक्षा सरकार के पाखंड का ब्यौरा : सुरजेवाला

कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि वित्त मंत्री की ओर से संसद में वित्त

वर्ष 2025-26 के लिए पेश आर्थिक समीक्षा राजकोषीय स्थिति के बारे में नहीं, बल्कि सरकार के पाखंड के बारे में है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि दिखाई गई वृद्धि सरकार की ओर से गढ़ी गई है, न कि उपभोग द्वारा संचालित। उन्होंने कहा कि सरकार विकास का अमृतकाल की बात तो करती है, लेकिन जब गरीबों को पैसा मिलता है, तो यह हंगामे का कारण बन जाता है।

# समाज के हर वर्ग को राहत मिले : विजयन

**» केरल के मुख्यमंत्री ने राज्य बजट को जनहितैषी बताया**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने उनकी सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत किया गया राज्य बजट जनहितैषी है और इसका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी उपायों को मजबूत करते हुए व्यापक विकास सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से जारी एक बयान में विजयन ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने पिछले एक दशक में केरल को एक आधुनिक, विकसित मध्यम-आय वाले समाज में बदलने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जो 2022 की 14वीं पंचवर्षीय योजना में निर्धारित लक्ष्य है।

विजयन ने कहा कि पिछले दस वर्षों से, एलडीएफ सरकार केरल को एक आधुनिक, विकसित मध्यम-आय वाले समाज में बदलने के लिए प्रयासरत है। यह उद्देश्य 2022 की 14वीं पंचवर्षीय योजना में परिभाषित किया गया था। ऐसे मध्यम-आय वाले समाज को दो स्तंभों पर खड़ा होना चाहिए। पहला, हमारे संविधान में परिकल्पित निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप जनता के लिए एक कल्याणकारी राज्य का निर्माण करना। दूसरा, पूंजी निवेश बढ़ाकर और बुनियादी ढांचे का विकास करके आर्थिक विकास को गति देना। आंकड़े बताते हैं कि केरल इन दोनों लक्ष्यों की ओर तेजी से प्रगति कर रहा है। इसके अलावा, आज के बजट में प्रस्तुत प्रस्तावों के त्वरित कार्यान्वयन से राज्य में व्यापक प्रगति संभव हो सकेगी।

कुछ वर्गों ने आरोप लगाया है कि बजट में घोषित प्रस्ताव वे हैं जिन्हें पिछले दस वर्षों में लागू नहीं किया जा सका। मुख्यमंत्री ने इन दावों को निरर्थक और सरासर निराशा से उपजा हुआ बताया। उन्होंने कहा कि कई परियोजनाएं जिन्हें कभी असंभव मानकर खारिज कर दिया गया था, वास्तव में पिछले दशक में साकार हो चुकी हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग विकास और विझिंजम बंदरगाह के दूसरे चरण जैसी पहलें इस प्रगति के स्पष्ट उदाहरण हैं, जिन्हें नजरअंदाज या अनदेखा नहीं किया जा सकता। केरल मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि बजट में पेंशन के बकाया का भुगतान किया गया है और कल्याण, शिक्षा, रोजगार और गिग वर्कर्स को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट श्रमिकों, किसानों, मध्यम वर्ग, सरकारी कर्मचारियों और व्यापार एवं औद्योगिक समुदाय सहित समाज के सभी वर्गों को राहत प्रदान करता है। इसका उद्देश्य समग्र आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देते हुए उनकी तत्काल जरूरतों को पूरा करना है।

# सभी पक्षों को विश्वास में लेकर नियम बने : मायावती

## यूजीसी पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का बसपा प्रमुख का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने गुरुवार को कहा कि विश्वविद्यालयों में मौजूदा सामाजिक तनाव को देखते हुए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए समानता संबंधी नियमों पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक उचित है। एक पोस्ट में मायावती ने कहा कि यूजीसीको नियमों को लागू करने से पहले सभी पक्षों को विश्वास में लेना चाहिए था और सामान्य वर्ग के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करना चाहिए था।

मायावती ने कहा कि देश के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में जातिवादी घटनाओं को रोकने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लागू किए गए नए नियमों ने सामाजिक तनाव का माहौल पैदा कर दिया है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लष्ट के नए नियमों पर रोक लगाने का आज का निर्णय उचित है।

उन्होंने कहा कि जबकि देश में इस मामले को लेकर सामाजिक तनाव आदि का माहौल बिल्कुल भी नहीं बनता, अगर यूजीसी ने नए नियमों को लागू करने से पहले सभी पक्षों को विश्वास में लिया होता और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के तहत जांच समिति में उच्च जाति के समाज को उचित प्रतिनिधित्व दिया होता।

**बामुलाहिजा**

कार्टून: हसन जैदी

# द्रविड़ शासन मॉडल के तहत समावेशी विकास : स्टालिन

**» तमिलनाडु सरकार के प्रयासों की दी जानकारी**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन नेकपड़ा क्षेत्र को और मजबूत करने के तमिलनाडु सरकार के प्रयासों के तहत उन्नत कपड़ा और परिधान मशीनरी की खरीद पर 20 प्रतिशत की पूंजी सब्सिडी की घोषणा की। स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ शासन मॉडल के तहत, कपड़ा क्षेत्र ने ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी और जूते निर्माण जैसे क्षेत्रों के बराबर तीव्र वृद्धि दर्ज की है।

कोयंबटूर के कोडिसिया व्यापार मेला परिसर में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, सामाजिक न्याय के साथ समावेशी विकास सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि तमिलनाडु पिछले पांच वर्षों से भारत का सबसे बड़ा रेडीमेड वस्त्र निर्यातक रहा है, जो देश के कुल वस्त्र व्यापार का 33 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र 31 लाख श्रमिकों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है, जिनमें से 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं, जो महिला सशक्तिकरण में इस क्षेत्र की भूमिका को रेखांकित करता है। राज्य सरकार द्वारा इस क्षेत्र के महत्व को देखते हुए एक अलग वस्त्र विभाग के गठन का उल्लेख करते हुए, स्टालिन ने तमिलनाडु के वस्त्र उद्योग को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए हथकरघा और वस्त्र मंत्री आर गांधी और अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है, जिनमें नए बाजारों की खोज करना और केंद्र सरकार से कपास पर लगे 11 प्रतिशत आयात शुल्क को वापस लेने का आग्रह करना शामिल है।

# आप की गुजरात में आक्रामक रणनीति से भाजपा हुई परेशान

## नगर निगम चुनाव से पहले संगठन विस्तार

# 2025 में और मजबूत हुई आम आदमी पार्टी

» अंदरूनी बैठकों का दौर तेज

» विधान सभा चुनावों पर भी है नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधी नगर। गुजरात में आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार की नींद उड़ानी आरंभ कर दी है। आगामी आने वाले विस से लेकर नगर निगम चुनाव से पहले आक्रामक रणनीति अपनाई है। संगठन विस्तार को लेकर अंदरूनी बैठकों का दौर तेज हो गया है। आप की सक्रि यता से सियासी हलचल बढ़ गई है। आप की सक्रिया से बीजपी की चिंता भी बढ़ती नजर आ रही है। आने वाले चुनावों में इसका बड़ा असर देखने को मिल सकता है।

गुजरात की राजनीति में इन दिनों हलचल मची हुई है। आम आदमी पार्टी ने नगर निगम चुनावों में संगठन को मजबूत बनाने के लिए अंदरूनी बैठकों का दौर चल रहा है। नए सदस्यों को जोड़ा जा रहा है और जनसभाओं में भीड़ जुट रही है। इससे आम आदमी पार्टी की स्थापना 2012 में दिल्ली में हुई थी। वहीं 2025 तक आप ने अपनी जड़ें और मजबूत की। पार्टी ने गुजरात में 120 से ज्यादा विधानसभा क्षेत्रों में संगठन बनाया और स्थानीय नेताओं को जोड़ा और चैतर वसावा जैसे युवा नेता आप में शामिल हुए और आदिवासी इलाकों में पार्टी की पकड़ बढ़ाई। 2025 के लोकसभा चुनावों में आप ने कुछ सीटों पर अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि जीत नहीं मिली। अब 2026 के नगर निगम चुनावों (जैसे अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा आदि) से पहले आप ने रणनीति बदली है। पार्टी का फोकस शहरी इलाकों पर है। जहां युवा और मध्यम वर्ग ज्यादा हैं। आप के गुजरात प्रभारी गोपाल राय ने कहा कि पूरे देश में संगठन विस्तार तेज किया जाएगाऔर गुजरात में चुनाव पूरी ताकत से लड़े जाएंगे।

## युवा और शहरी वोटर्स महंगाई और बेरोजगारी से बीजपी से नाराज

गुजरात में युवा और शहरी वोटर्स महंगाई और बेरोजगारी से बीजपी से नाराज है। आप के दिल्ली मॉडल (मुफ्त सेवाएं) यहां आकर्षित कर रहे हैं। लेकिन चुनौतियां भी हैं। आप के पास अभी कम सीटें हैं और बीजपी का संगठन मजबूत है। फिर भी आप की आक्रामकता से सियासी हलचल बढ़ी है। आदिवासी और ग्रामीण इलाकों में आप की पकड़ बढ़ रही है। जहां चैतर वसावा जैसे नेता काम कर रहे हैं, नगर निगम चुनावों में अगर आप अच्छा प्रदर्शन करती है तो 2027 के विधानसभा चुनावों में बड़ा उलटफेर हो सकता है। बीजेपी को अब आप को गंभीरता से लेना पड़ रहा है।

## आप हर घर तक डोर-टू-डोर कैंपेन चलाएगी

वहीं अंदरूनी बैठकों का दौर भी तेज है। आप के नेता नियमित रूप से मिल रहे हैं। जहां चुनावी रणनीति पर चर्चा होती है। आपको बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने 2025 में गुजरात में घोषणा की कि आप हर घर तक डोर-टू-डोर कैंपेन चलाएगी और अगले 2 सालों में हर घर को कम से कम 5 बार विजिट किया जाएगा। युवाओं से अपील की गई कि वे राजनीतिक क्र ांति में शामिल हों। भाजपा ने 30 साल सत्ता में रहकर कुछ नहीं किया। अब आप की बारी है, यह रणनीति दिल्ली और पंजाब मॉडल पर आधारित है। जहां आप ने छोटे-छोटे मुद्दों पर फोकस कर सत्ता हासिल की।

## आम आदमी पार्टी की सक्रियता से बीजेपी सतर्क

आप की इस सक्रियता से बीजेपी की चिंता बढ़ गई है। गुजरात भाजपा का गढ़ है। लेकिन आप की एंट्री से वोट बैंक में सेंध लग रही है। बीजेपी आईटी सेल को सलाह दी जा रही है कि आप के राइज को काउंटर करने के लिए आक्रामक स्ट्रैटेजी अपनाए।

बीजेपी के नए स्टेट प्रेसिडेंट जगदीश विश्वकर्मा की नियुक्ति के पीछे भी यही रणनीति है और उन्होंने कहा किआप और कांग्रेस की बढ़ती सक्रियता को काउंटर करने के लिए आक्रामक कदम उठाए जाएंगे। बीजेपी के नेता आप को बाहरी पार्टी बताते हैं। लेकिन अंदरखाने टेंशन है। आप की रैलियों में भीड़ देखकर बीजपी ने अपनी मीटिंग्स बढ़ाई हैं। सूरत, अहमदाबाद जैसे शहरों में आप की पकड़ से भाजपा को डर है कि नगर निगम चुनावों में वोट बंट सकते हैं। कांग्रेस पहले से कमजोर है, तो आप मुख्य चैलेंजर बन रही है। बीजेपी ने आप पर आरोप लगाया कि वे सिर्फ शोर मचा रहे हैं,लेकिन काम नहीं कर रहे।

## जनसभाओं में आप की भागीदारी बढ़ी

जनसभाओं में भी आप की सक्रियता बढ़ी है। चैतर वसावा की गुजरात जोड़ो यात्रा में हर जगह उत्सव जैसा माहौल है। इसमें भाजपा और कांग्रेस के नेक्सस पर आरोप लगाए जा रहे हैं। जनवरी 2026 में एक सभा में 1500 से ज्यादा बीजेपी और कांग्रेस वर्कस आप में शामिल हुए। आप का दावा है कि गुजरात में उनका संगठन सबसे मजबूत है और छोटी रैलियों में भी बड़ी भीड़ आ रही है। कई भाजपा और कांग्रेस नेता आप में आने वाले हैं, यह रणनीति आक्रामक है। क्योंकिआप अब सिर्फ विपक्ष नहीं, बल्कि विकल्प बन रही है। सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में आप की पकड़ बढ़ी है और शहरी केंद्रों में स्वीकृति मिल रही है।

## गुजरात में 2022 से सक्रिय है आप

गुजरात में इसकी एंट्री 2022 के विधानसभा चुनावों से हुई। उस समय आप ने आक्रामक कैंपेन चलाया। जिसमें मुफ्त बिजली, पानी और शिक्षा जैसे वादे किए गए थे। जिसके चलते गुजरात में आप ने 5 सीटें जीतीं और कांग्रेस को पीछे छोड़कर मुख्य विपक्षी दल बन गई। यह भाजपा के लिए चौंकाने वाला था क्योंकि गुजरात भाजपा का गढ़ माना जाता है। जहां वह 1995 से सत्ता में है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में कई रैलियां की और स्थानीय मुद्दों जैसे किसानों की समस्या, बेरोजगारी और महंगाई पर फोकस किया।

## नगर निगम चुनाव पर नजर

जानकारी के मुताबिक नगर निगम चुनाव 2026 के मध्य में होने वाले हैं और आप ने इसके लिए कमर कस ली है। पार्टी की रणनीति तीन मुख्य हिस्सों पर आधारित है। संगठन विस्तार, जनसंपर्क और विपक्षी दलों पर हमला, सबसे पहले बात करते हैं संगठन विस्तार की। संगठन विस्तार को लेकर आप ने गुजरात को 7 जोनों में बांटा है। और हर जोन में बूथ स्तर पर वॉलंटियर्स की टीम बनाई है। जनवरी 2026 में वडोदरा में एक बड़ी मीटिंग हुई। जहां सिर्फ एक जोन से हजारों बूथ वॉलंटियर्स इकट्ठे हुए। आप के फाउंडर मेंबर राजेश शर्मा ने कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है। और आप भाजपा को कड़ी टक्कर देगी जबकि कांग्रेस तीसरे नंबर पर रहेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# कब हम राजनीतिक पक्षपात और सामाजिक असमानताओं से बचेंगे

**“ अगर हम अब भी नहीं चेते तो आने वाले समय में हम फिर गुलामी की ओर बढ़ सकते हैं। इन सबसे निपटने का सबसे अच्छा साधन है आमजन व सरकार के बीच समन्वय। भारत का गणतंत्र पूर्वाग्रहों जैसे जातिवाद, सांप्रदायिकता, भाषा जनित क्षेत्रवाद, वंशवाद, राजनीतिक पक्षपात और सामाजिक असमानताओं से जूझ रहा है, जो संवैधानिक मूल्यों को कमजोर कर रहे हैं।**

*इतने वर्ष हो जाने के बाद भी हमारा गणतंत्र कई बुराईयों दो-चार हो रहा है। पिछले कुछ सालों से हमारे लोकतंत्र को सियासत ने कमजोर कर दिया है। हमारे पूर्वजों ने सोच-समझ कर संविधान बनाया था। परंतु देश के रहनुमाओं ने अपनी सियासत के चक्कर में उसको चाक कर दिया। अगर हम अब भी नहीं चेते तो आने वाले समय में हम फिर गुलामी की ओर बढ़ सकते हैं। इन सबसे निपटने का सबसे अच्छा साधन है आमजन व सरकार के बीच समन्वय। भारत का गणतंत्र पूर्वाग्रहों जैसे जातिवाद, सांप्रदायिकता, भाषा जनित क्षेत्रवाद, वंशवाद, राजनीतिक पक्षपात और सामाजिक असमानताओं से जूझ रहा है, जो संवैधानिक मूल्यों को कमजोर कर रहे हैं। खासकर गणतंत्र दिवस जैसे अवसरों पर ये मुद्दे अकसर उभरकर सामने आ जाते हैं, जहां लोकतंत्र की चुनौतियां स्पष्ट दिखती हैं। इसलिए कतिपय प्रमुख पूर्वाग्रहों पर चर्चा लाजिमी है जो इसे समदर्शी और सर्वसम्मत लोकतंत्र बनने देने की राह के सबसे बड़े रोड़े तब भी थे, आज भी हैं और अगर यही हालात बने रहे तो भविष्य में भी रहेंगे।*

*लिहाजा प्रबुद्धजनों से लेकर आम आदमी के दिलोदिमाग में यह यक्ष प्रश्न बना हुआ है कि आखिर कबतक जटिल पूर्वाग्रहों से परेशान रहेगा भारत गणतंत्र? पिछली शताब्दी के अंतिम तीन भागों से लेकर मौजूदा शताब्दी के प्रथम भाग तक यानी पूरे सौ सालों में भारतीय शासन-प्रशासन की जो पूर्वाग्रही गतिविधियां दिखाई-सुनाई पड़ीं, उससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि भारतीय गणतंत्र को दलित-आदिवासी-पिछड़े-अल्पसंख्यक-सवर्ण कोटि के अभिजात्य वर्गों के चंगुल से बाहर निकालना बहुत मुश्किल है। खासकर धर्मनिरपेक्षता ने तो एक पाकिस्तान दे देने के बाद कई और पाकिस्तान देने की पृष्ठभूमि तैयार कर दी है। शांतिपूर्ण भूमि पर ब्रेक के बाद होते रहने वाले सांप्रदायिक दंगे भी इसी बात की चुगली करते प्रतीत होते हैं। मीडिया और सोशल मीडिया की मुहिम हमारी धर्मनिरपेक्ष सोच को खुली चुनौती देती है, लेकिन प्रशासनिक लाचारी भी जगजाहिर है, जिसे बदले बिना धर्मनिरपेक्ष पूर्वाग्रहों से मुक्ति पाना बिल्कुल कठिन है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि मीडिया और राजनीतिक विमर्श में पूर्वाग्रही ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, जो नीतिगत मुद्दों को नजरअंदाज कर भावनात्मक विभाजन पैदा करता है। जहां कांग्रेस व क्षेत्रीय दलों की तुष्टीकरण वाली धर्मनिरपेक्ष राजनीति खतरनाक है, तो आरएसएस-बीजेपी की सेक्युलरिज्म विरोधी विचारधारा से भी लोग सांसत में रहने को अभिशप्त हैं।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# लाभकारी टिकाऊ बिजनेस मॉडल की ओर बढ़ता रुझान

डॉ. शशांक द्विवेदी

साल 2025 स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए एक अहम मोड़ साबित हुआ, जहां केवल तेज ग्रोथ के बजाय टिकाऊ बिजनेस मॉडल, मुनाफे और सामाजिक प्रभाव पर भी जोर दिया जाने लगा। अब स्टार्टअप्स को सफलता के लिए दीर्घकालिक स्थिरता और सामाजिक योगदान की कसौटी पर भी परखा जाने लगा है। पिछले एक दशक की तुलना में 2025 को 'संयम और परिपक्वता' का वर्ष कहा जा सकता है-जहां दुनिया भर में स्टार्टअप्स की संख्या भले ही तेजी से न बढ़ी हो, लेकिन जो स्टार्टअप टिके, वे अधिक मजबूत और व्यावहारिक साबित हुए। वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप गतिविधियां अधिक यथार्थवादी रहीं। दुनियाभर में हजारों नए स्टार्टअप सामने आए, लेकिन निवेशकों और बाजार का रुख साफ था- अब केवल 'आइडिया' नहीं, बल्कि रेवेन्यू, कैश फ्लो और स्पष्ट बिजनेस मॉडल मायने रखते हैं।

कोरोना काल के बाद स्टार्टअप्स में निवेश एक तरह की दौड़ बन गया था, वहीं 2025 में फंडिंग अपेक्षाकृत चयनात्मक रही। अमेरिका, यूरोप और एशिया में बड़ी संख्या में स्टार्टअप्स ने खुद को पुनर्गठित किया, कई का विलय हुआ और कुछ बाजार से बाहर भी हो गए। वैश्विक स्तर पर अनुमान लगाया जाता है कि 2025 में लाखों नए स्टार्टअप पंजीकृत हुए, लेकिन उनमें से एक सीमित प्रतिशत ही वास्तव में 'सफल' कहलाने योग्य रहे-यानी जिन्होंने स्थिर राजस्व, विस्तार या लाभप्रदता की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए। वर्ष 2025 में सफलता की परिभाषा बदल गई। पहले जहां यूनिकॉर्न बनना ही सफलता का प्रतीक माना जाता था, वहीं अब सस्टेनेबल ग्रोथ, मुनाफा और दीर्घकालिक टिकाव को अधिक महत्व दिया जाने लगा। टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थटेक, क्लाइमेट टेक, फिनटेक और डीप-टेक जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप्स ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया। इसके विपरीत, केवल उपभोक्ता छूट और तेज विस्तार पर आधारित कई मॉडल कसौटी पर खरे नहीं उतरे। भारत 2025 में भी दुनिया के सबसे सक्रिय स्टार्टअप देशों में शामिल रहा।

देश में लगभग 22,000 से अधिक नए स्टार्टअप्स पंजीकृत हुए- जो एक महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है और उद्यमशीलता की गति स्पष्ट करता है। हालांकि, बीता वर्ष भारत के लिए भी 'छंटाई' का वर्ष रहा- स्टार्टअप्स की संख्या में वृद्धि की रफ्तार कुछ धीमी पड़ी, लेकिन गुणवत्ता व फोकस में

सुधार दिखा। कई स्टार्टअप्स ने आक्रामक विस्तार के बजाय लागत नियंत्रण, स्थानीय बाजार और मुनाफे पर ध्यान दिया। साल 2025 में भारत के स्टार्टअप परिदृश्य में एक सीमित हिस्सा ही बड़े पैमाने पर सफल हुआ। कुछ स्टार्टअप्स ने मुनाफे की दिशा में कदम बढ़ाए , कई का विलय या अधिग्रहण हुआ और कुछ बाजार की वास्तविकताओं के सामने टिक नहीं पाए। यह स्थिति नकारात्मक नहीं, बल्कि स्वस्थ इकोसिस्टम का संकेत है, जहां अव्यावहारिक मॉडल खुद ही बाहर हो जाते हैं। 2025 में वैश्विक स्टार्टअप परिदृश्य में भारत की स्थिति तीसरे या चौथे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में बनी रही। अमेरिका और चीन के बाद भारत को अक्सर यूरोप के साथ तुलना में रखा जाने लगा। भारत ने लगभग 125 यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स बनाए ( स्टार्टअप्स जिनकी वैल्यू 1 बिलियन से अधिक है) । इनमें से कई ने इस वर्ष यह मुकाम हासिल किया और ग्रोथ जारी रखी। भारत की खासियत रही कि वह केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि नवाचार और स्केल- दोनों का केंद्र बन रहा है। भारतीय स्टार्टअप्स अब केवल घरेलू नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों को भी लक्ष्य बना रहे हैं। हालांकि, पूंजी की उपलब्धता, गहन तकनीकी अनुसंधान और वैश्विक ब्रांड निर्माण के मामले में भारत अभी विकसित देशों से पीछे है। 2025 में स्टार्टअप निवेशकों का व्यवहार बदला हुआ दिखा। 'ग्रोथ एट ऑल कॉस्ट' की जगह 'सस्टेनेबल रिटर्न' निवेश का मंत्र बना। भारत में शुरुआती चरण के स्टार्टअप्स को अपेक्षाकृत समर्थन मिला, लेकिन बड़े फंडिंग राउंड्स की संख्या सीमित रही। इससे स्टार्टअप्स को अपने खर्च और रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ा। भारत में तकनीकी स्टार्टअप्स के लिए फंडिंग माहौल चुनौतीपूर्ण रहा।

कुल इक्विटी फंडिंग पिछले साल के मुकाबले लगभग 10.5 बिलियन तक गिर गई। यह संकेत है कि निवेशक अब और अधिक सावधानी से धन लगा रहे हैं और केवल 'स्पष्ट प्रगति वाला मॉडल' ही पूंजी आकर्षित कर पा रहा है। 2025 ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के सामने कई संरचनात्मक चुनौतियां हैं। वैश्विक अनिश्चितता का सीधा असर भारतीय स्टार्टअप फंडिंग पर पड़ता है। मसलन भारत में अब भी उपभोक्ता-आधारित स्टार्टअप्स की संख्या अधिक है, जबकि गहरे तकनीकी नवाचार की कमी महसूस की जाती है।

# अच्छी-सच्ची पत्रकारिता की कसौटी पर खरे उतरे मार्क

विश्वनाथ सचदेव

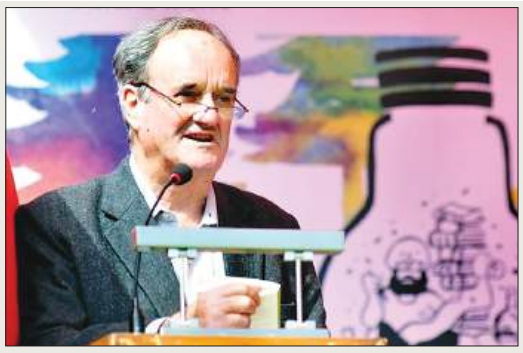

यह मेरा दुर्भाग्य ही है कि मुझे बीबीसी के भारत स्थित संवाददाता स्वर्गीय मार्क टली से मिलने का कभी अवसर नहीं मिला, पर हकीकत यह भी है कि मैं पिछले चार-पांच दशकों में उनसे अक्सर मिलता रहा हूं। यह मिलना बीबीसी रेडियो के माध्यम से होता था। दशकों से रेडियो बीबीसी विश्वसनीय खबरों का एक पर्याय बन चुका हुआ था, और मेरे जैसे लाखों-करोड़ों श्रोता बीबीसी के माध्यम से ही खबरों की विश्वसनीयता परखा करते थे। बीबीसी को यह श्रेय जहां संस्थान की रीति-नीति के कारण मिलता था, वहीं सर मार्क टली जैसे सजग और ईमानदार पत्रकारों ने बीबीसी की विश्वसनीयता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। आज मार्क टली हमारे बीच नहीं हैं। भारत में ही जन्मे सर टली के निधन से ईमानदार पत्रकारिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण हमारे बीच से उठकर चला गया।

वे चाहते थे कि उनका निधन भारत में ही हो और यह संयोग मात्र नहीं है कि भारत के बनते इतिहास का यह साक्षी अपनी जन्मभूमि से ही विदा हुआ। आज जब रेडियो के माध्यम से समय की सच्चाई जानने वाले श्रोता उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं, तो उस व्यक्ति के साथ ही उस पत्रकारिता की बात भी होनी चाहिए, जिसके लिए वह जाना जाता रहा। और यह अवसर इस बात का भी है कि हम पत्रकारिता, विशेषकर भारत की पत्रकारिता के बारे में भी सोचें, यह आकलन करने की कोशिश करें कि आज हमारी पत्रकारिता की स्थिति क्या है, और जैसी है, वैसी क्यों है? अच्छी और सच्ची पत्रकारिता की शायद सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विश्वसनीयता के संदर्भ में वह कहां ठहरती है। था एक जमाना जब यह माना जाता था कि अखबार में यदि कुछ छपा है तो वह सही ही होगा, जो अखबार जितनी ज्यादा तटस्थ और सही खबरें देता था, वह उतना ही बेहतर माना जाता था। अब जबकि अखबार के साथ टेलीविजन और सोशल मीडिया भी खबरों की दुनिया का हिस्सा, प्रमुख हिस्सा कहा जाना चाहिए, बन गया है, तो विश्वसनीयता का महत्व और बढ़ जाता है। जिसकी जितनी ज्यादा पहुंच है, उससे उतनी ही ज्यादा ईमानदारी की अपेक्षा की जाती है।

यह ईमानदारी ही मीडिया के कद को नापती है। मुझे याद है जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 1984 में हत्या हुई तो राजीव गांधी दिल्ली से बाहर (बंगाल में) थे। तब उन्होंने बीबीसी रेडियो के माध्यम से ही समाचार की पुष्टि की थी। ज्ञातव्य है कि ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) ने तो शाम छह बजे तक उनकी मृत्यु की आधिकारिक घोषणा नहीं की थी। कारण कुछ भी बताये जायें, पर यह हकीकत अपनी जगह है कि राजीव गांधी को तब इंग्लैंड का बीबीसी रेडियो ही विश्वसनीय लगा था। यह तथ्य जहां बीबीसी के महत्व को दर्शाता है, वहीं इस बात को भी रेखांकित करता है कि मीडिया की विश्वसनीयता उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है। यह दुर्भाग्य ही है कि आज हमारा रेडियो सरकारी सूचनाओं का भोंपू बनकर रह गया है!

दुर्भाग्य यह भी है कि आज हमारे मीडिया का एक बड़ा हिस्सा विश्वसनीयता के संकट का शिकार हो गया है। लगभग आधी सदी पहले जब 1975 में देश में आपातकाल लागू किया गया था तो उसका सबसे बुरा असर मीडिया पर ही पड़ा था। अखबारों पर सेंसरशिप लगा दी गयी थी, कुछ भी छापने से पहले सरकारी एजेंसियों से अनुमति लेनी होती थी। उस कठिन समय में जिन गिने-चुने साहसी पत्रकारों ने सरकार के इस आदेश का पालन करने से इनकार किया, उनमें बीबीसी रेडियो के भारत स्थित संवाददाता मार्क टली का नाम बड़ी प्रमुखता से लिया जाता है। तब उन्हें चौबीस घंटे में भारत छोड़कर जाने का आदेश तत्कालीन सरकार ने दिया था। सरकार के आगे घुटने टेकने के बजाय मार्क टली ने अपने देश लौट जाना बेहतर समझा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और पत्रकारिता की विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिए वे इंग्लैंड लौट गये। पर सरकार उनकी वाणी पर प्रतिबंध नहीं लगा पायी थी। लंदन में रहते हुए भी वह भारत स्थित अपने सूत्रों से सही सूचनाएं प्राप्त करते रहे— भारत समेत दुनिया भर के श्रोताओं तक उन्हें पहुंचाते रहे। यह सही है कि उस काल की भारत की पत्रकारिता पर अपयश के काले धब्बे लगे थे। आपातकाल के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने तब कहा था, 'जब हमारे पत्रकारों को घुटने टेकने के लिए कहा गया तो वे रेंगने लगे थे।' पर सच यह भी है कि उस स्थिति के लिए सिर्फ पत्रकार ही दोषी नहीं थे, पत्रकारों से कहीं ज्यादा डर तब मीडिया-मालिकों, प्रबंधकों को था। लेकिन यह कथित विवशता आपातकाल में हमारी पत्रकारिता पर लगे धब्बों को नहीं मिटा सकती। दुर्भाग्य की बात तो यह भी है कि आज भी हमारी पत्रकारिता पर विश्वसनीयता का संकट मंडरा रहा है।

मीडिया का बहुत बड़ा हिस्सा आज 'गोदी मीडिया' कहलाता है। यह स्थिति निश्चित रूप से चिंताजनक है। बीबीसी से सेवानिवृत्त होने के बाद भी मार्क टली ने भारत को ही अपना देश बनाया। वे भारत और भारत की चुनौतियों को अच्छी तरह समझते थे, और उनका मानना था कि जनता तक सही और समुचित जानकारी पहुंचाना पत्रकारिता का दायित्व है। उनका स्पष्ट कहना था कि पत्रकारिता का एक ही नियम है- अपने आप से यह पूछिए कि कोई आप पर क्यों विश्वास करता रहे। यदि आप दिमाग में यह सवाल बनाए रखेंगे तो स्वयं ही पता चल जाएगा कि आप रिपोर्ट कैसे करें। एक बार यदि विश्वास टूट जाये तो फिर से प्राप्त करना लगभग असंभव है।

# बिना चीनी और सूजी के ऐसे तैयार करें स्वादिष्ट हलवा

त्योहारों के सीजन में लोग इतनी मिठाई खा लेते हैं कि वो इससे बचने लगते हैं। तो इस बार जब कोई त्योहार आए तो कुछ ऐसा बनाएं, जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहतमंद भी हो? जो बाजार की शक्कर से भरी मिठाइयों के बजाय आप बना सकती हैं इंस्टेंट ओट्स का हलवा, जो न सिर्फ झटपट तैयार होगा, बल्कि दिल और शरीर दोनों को भाएगा। ओट्स में फाइबर और पोषण भरपूर होता है, जो घर के लोगों को एनर्जी देगा और त्योहार को मजेदार बनाएगा। ये हलवा खासतौर पर उन लोगों के लिए भी परफेक्ट है जो शुगर या वजन को लेकर सतर्क रहते हैं। तो अब जब भी त्योहार आये तो थोड़ा हेल्थ का तड़का और तैयार करें ओट्स हलवा।

## विधि

इस हलवे को बनाना काफी आसान है। इसके लिए एक पैन में घी गर्म करें और उसमें भुने हुए ओट्स डालकर 1-2 मिनट भूनें। इसके बाद अब पैन में दूध डालें और धीमी आंच पर चलाते हुए पकाएं। इसके बाद जब हलवा गाढ़ा होने लगे, तो उसमें खजूर का पेस्ट या गुड़ डालें। आखिर में इसमें ड्राय फ्रूट्स और इलायची पाउडर डालें। 2-3 मिनट पकाकर गरमा गरम सर्व करें।

## सामग्री

ओट्स-1 कप (भुने हुए), दूध- 2 कप, घी - 2 बड़े चम्मच, खजूर या गुड़- 2-3 बड़े चम्मच, ड्राय फ्रूट्स- बादाम, काजू, किशमिश, इलायची पाउडर - 1/4 छोटा चम्मच।

# घर पर ट्राई करें नेपाल की मशहूर सेल रोटी

नेपाल एक ऐसी जगह है, जहां घूमने के लिए लोग बेहद उत्साहित रहते हैं। पर अगर आप वहां नहीं जा पा रहे हैं तो वहां के फेमस खाने को घर पर ही तैयार कर सकते हैं। दरअसल, नेपाल में एक खास तरह की रोटी बनाई जाती है। इसे एक बार खाकर हर कोई भी इसका दीवाना हो जाता है। इसे सेल रोटी कहा जाता है, जो बाहर से कुरकुरी और अंदर से नरम होती है। नेपाल में इसे त्योहारों के अवसर पर तो जरूर ही बनाया जाता है। इसकी सबसे अच्छी बात ये है कि इसे बनाने में ज्यादा सामग्री नहीं लगती और न ही इसे बनाने की कोई कठिन प्रक्रिया होती है। घर पर थोड़ी सी तैयारी और सही तरीका अपनाकर आप भी आसानी से यह स्वादिष्ट सेल रोटी बना सकते हैं।

## सामान

चावल- 2 कप, चीनी- ½ से 1 कप, दूध या पानी- 1 कप, केला- 1 पका हुआ, इलायची पाउडर- ½ चम्मच, घी या तेल- तलने के लिए, नमक-एक चुटकी।

## विधि

सेल रोटी बनाने के लिए सबसे पहले चावल को अच्छी तरह धोकर कुछ घंटों के लिए भिगो दें। फिर इसे पीसकर नरम पेस्ट बना लें। इसके बाद इसमें चीनी, दूध या पानी, केला, इलायची और थोड़ा सा घी मिलाएं। मिश्रण को अच्छी तरह फेंटकर 2-3 घंटे के लिए ढककर रख दें ताकि ये हल्का फूल जाए। अब कढ़ाही में तेल या घी गर्म करें। इस दौरान आंच को हल्का रखें। इसके बाद अब रोटी बनाना शुरू करें। रोटी बनाने के लिए एक कटोरी में मिश्रण भरकर कढ़ाही के ऊपर गोल आकार में पतला घोल डालें। रोटी हल्की भूरी होने पर पलट दें। दोनों तरफ से सुनहरी होने पर निकाल लें। इसे आप फ्राइड चने के बाद परोसें। ऐसा इसलिए क्योंकि सेल रोटी का स्वाद हल्का मीठा होता है, इसलिए जब इसे चटपटे से चने के साथ परोसा जाएगा, तो इसका स्वाद दोगुना हो जाएगा।

## हंसना मना है

बॉयफ्रेंड -मुझे मेहनती, सादगी से रहने वाली, आज्ञाकारी और घर संवार कर रखने वाली लड़की चाहीए.. गर्लफ्रेंड - मेरे घर आकर मेरी नौकरानी को ले जा..

लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड को फोन किया, लड़की: मैं कल तुमसे मिलने नहीं आ सकती। बॉयफ्रेंड- ओह! चलो मैं तुम्हारा गिफ्ट किसी और को दे देता हूं। लड़की - मेरा मतलब था, मैं कल नहीं आ सकती! अभी कहां हो तुम?

सास बहू से- कितनी बार कहा है, बाहर जाओ तो बिन्दी लगाकर जाया करो। आधुनिक बहु - पर जीन्स पर बिन्दी कौन लगाता है, सास - तो मैंने कब कहा जीन्स पर लगानी है, माथे पर लगा चुड़ैल माथे पर..

टीचर- 'हिम्मत ए मर्दा तो मदद ए खुदा' का मतलब बताओ? बच्चा- जो अपनी बीवी के सामने मर्द बनने की कोशिश करता है, उसकी मदद फिर खुदा ही कर सकता है?

## कहानी — तीन मछलियां

एक समय की बात है, एक घने जंगल के अंदर बड़ा-सा तालाब था। उस तालाब में बहुत सारी मछलियां रहती थीं, जिनमें से तीन मछलियां एक-दूसरे की पक्की दोस्ती थी। इन तीनों का स्वभाव बिलकुल अलग था। इनमें से दो बहुत समझदार थीं। पहली संकट आने के पहले ही अपना बचाव कर लेती थी। दूसरी संकट आने पर अपनी सुरक्षा कर लेती थी, जबकि तीसरी सब कुछ भाग्य पर छोड़ देती थी। तीसरी मछली कहती कि अगर भाग्य में संकट होगा, तो हम कुछ नहीं कर सकते और भाग्य में नहीं होगा, तो कोई भी हमारा कुछ नहीं कर सकता। एक दिन रास्ते से गुजर रहे एक मछुआरे ने उस तालाब को देख लिया। उसने देखा कि तालाब मछलियों से भरा पड़ा है। उसने तुरंत अपने बाकी साथियों को इस बारे में बताया। मछुआरे और उसके साथियों ने अगली सुबह यहां आने और उन मछलियों को पकड़ने का फैसला किया, लेकिन मछली ने मछुआरे और उसके साथियों के बीच की बातचीत सुन ली थी। उसने तुरंत तलाब में रहने वाली सभी मछलियों को इकट्ठा किया और सारी बात बता दी। पहली मछली बोली कि हो सकता है कि कल मछुआरे आकर हमें जाल में पकड़ कर ले जाएं। उससे पहले ही हमें यह स्थान छोड़ देना चाहिए। तभी तीसरे नंबर की मछली बोली कि अगर वो कल नहीं आए तो? यह हमारा घर है, हम कैसे इसे छोड़ कर जा सकते हैं। अगर भाग्य में लिखा होगा, तो हम कहीं भी हों मारे जाएंगे और नहीं लिखा होगा, तो हमें कुछ नहीं होगा। कुछ मछलियों ने तीसरे नंबर की मछली की बात मान ली और वहीं रुक गईं। अन्य दो मछलियां तीसरी मछली को समझाने में असमर्थ थीं, इसलिए उन्होंने बाकी मछलियों के साथ तालाब छोड़ दिया। अगले दिन, मछुआरे और उसके साथियों ने अपना जाल डाला। जो मछलियां रह गईं थीं वे सभी पकड़ी गईं। जो मछलियां भाग गईं थीं उन सभी की जान बच गई और जो तालाब में रुक गईं थी वे सभी मछुआरों के द्वारा पकड़ ली गईं। मछुआरे ने उन्हें एक टोकरे में डाल दिया, जहां सभी तड़प तड़प के मर गईं।

**कहानी से सीख**- हमें कभी भी भाग्य के भरोसे नहीं रहना चाहिए। संकट आने के पहले ही उसे दूर करने का उपाय सोचकर रखना चाहिए।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। सम्मान व कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यापार में नए प्रस्तावों से लाभ मिलने के योग हैं। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे।

**वृषभ**

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें। रचनात्मक कार्यों का प्रतिफल प्राप्त होगा। व्यापार में उन्नति होगी।

**मिथुन**

मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। संतान पर अनावश्यक रोक न लगाएँ। धन लाभ होने की भी संभावना है। बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**कर्क**

प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। इच्छित काम पूर्ण हो सकेंगे। मेहनत का फल मिलेगा।

**सिंह**
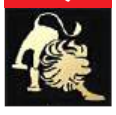
प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आय-व्यय में असंतुलन की स्थिति बन सकती है। प्रमाद न करें।

**कन्या**

भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। फालतू खर्च होगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएँगे। दिनचर्या नियमित रहेगी।

**तुला**

नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यावसायिक समस्याओं का हल आपके माध्यम से हो सकेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

**वृश्चिक**

प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा।

**धनु**

प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी। प्रयास व सहयोग से अनुकूलता आएगी।

**मकर**

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं। रचनात्मक काम होंगे। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा।

**कुम्भ**
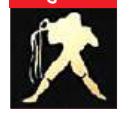
कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। विवाद समाप्त होने से शांति एवं सुख बढ़ेगा। व्यापार अच्छा चलेगा।

**मीन**

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएंगे।

# जो ताकत मोहब्बत में है, वो बारूद में कहां

## फिल्म द केरल स्टोरी 2 का मोशन पोस्टर रिलीज

विपुल अमृतलाल शाह साल 2023 में फिल्म द केरल स्टोरी लेकर आए थे। अब वे इसका सीक्वल द केरल स्टोरी 2 : गोज बियॉन्ड! लेकर आ रहे हैं। फिल्म का मोशन पोस्टर आज बुधवार को रिलीज किया गया है। सीक्वल में एक और खौफनाक कहानी दर्शक देख पाएंगे। यह फिल्म इसी साल फरवरी में रिलीज होगी।

फिल्म द केरल स्टोरी 2 का मोशन पोस्टर सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। इसे देखकर लग रहा है कि सीक्वल में एक बार फिर दर्शक किसी दिल दहला देने वाली कहानी से रूबरू होंगे। इस फिल्म का टीजर 30 जनवरी को जारी किया जाएगा। फिलहाल, आज रिलीज हुए मोशन पोस्टर में कुछ युवतियों के चेहरे दिखाए हैं। दहशत और खौफ उनके चेहरे पर साफ नजर आ रहा है। माथे पर तिलक लगा है, जो धुल रहा है और इसी के साथ कई चोट के निशान हैं।

फिल्म द केरल स्टोरी का निर्देशन सुदीप्तो सेन ने किया था। वहीं, सीक्वल के निर्देशन की कमान कामाख्या नारायण सिंह ने संभाली है। द केरल स्टोरी 2 फिल्म, 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस बार नए मुख्य कलाकारों को शामिल किया है। फिल्म में उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा नजर आएंगी।

फिल्म द केरल स्टोरी में केरल की तीन हिंदू लड़कियों (शालिनी, नीमा, गीतांजलि) की कहानी दिखाई गई थी, जिन्हें प्यार के जाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जाता है। इसके बाद उन्हें आईएसआईएस आतंकी संगठन में शामिल होने के लिए अफगानिस्तान भेजा जाता है। फिल्म को लेकर दावे किए गए कि यह सच्ची घटनाओं पर है। इस फिल्म पर काफी विवाद हुआ था, मगर बॉक्स ऑफिस पर इसने खूब सफलता भी बटोरी।

# रणवीर सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

रणवीर सिंह के खिलाफ बंगलूरू में एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा-चैप्टर 1 से जाकर जोड़ता है। रणवीर सिंह पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप इस शिकायत में लगाया है।

एएनआई की खबर के अनुसार बंगलूरू में रणवीर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एक्टर पर धार्मिक भावनाओं और तटीय कर्नाटक की दैव्य परंपरा का अपमान करने का आरोप लगा है। रणवीर सिंह के खिलाफ यह शिकायत बंगलूरू के वकील प्रशांत मेथल ने दर्ज कराई है।

जिस मामले में रणवीर सिंह पर शिकायत दर्ज हुई है, वह गोवा फिल्म फेस्टिवल से जुड़ी एक घटना से जाकर जुड़ता है। दरअसल, पिछले साल 28 नवंबर को गोवा में जब इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया चल रहा था तो रणवीर भी उसमें शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने स्टेज पर एक्टर और डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' का जिक्र किया। साथ ही स्टेज पर भी कर्नाटक की तटीय भूता कोला परंपरा का मजाक उड़ाया। ऋषभ शेट्टी ने उन्हें ऐसा करने से रोका भी था। इस बात को लेकर कई लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। इस मामले को लेकर ही रणवीर सिंह पर शिकायत दर्ज कराई गई है।

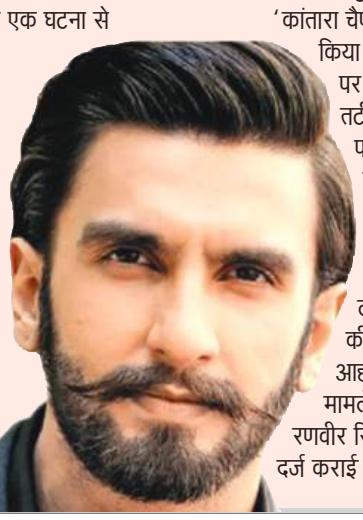

### एडिशनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने पिछले साल दर्ज हुई थी शिकायत

यही मामला बंगलूरू में पहले एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट को भेजा गया है। इसकी सुनवाई 8 अप्रैल को होनी है। बंगलूरू के एक वकील ने पिछले साल 27 दिसंबर में एडिशनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने एक प्राइवेट शिकायत दर्ज कराई थी। 23 जनवरी 2026 को कोर्ट ने हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया।

बॉलीवुड | मन की बात

# फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की एक्सपायरी डेट होती है : मोना

मोना सिंह फिल्म बॉर्डर 2 की कामयाबी को लेकर खुश हैं। वह जल्द ही कोहरा के दूसरे सीजन में नजर आने वाली है। इसमें वह एक पुलिस ऑफिसर का चैलेंजिंग रोल निभा रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने किरदार और फिल्म इंडस्ट्री में बड़ी उम्र के कलाकारों के बारे में बात की है। मोना सिंह ने 40 की उम्र में भी स्क्रीन पर 50 और 60 साल के किरदारों को निभाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मैंने अपनी ऑन-स्क्रीन उम्र की परवाह नहीं की है, क्योंकि मैं बहुत कॉन्फिडेंट हूं और मुझे पता है कि मैं कौन हूं। मुझे कुछ भी साबित नहीं करना है, इसलिए मैं रिस्क लेती रहती हूं। लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं, आप स्क्रीन पर इतनी बूढ़ी क्यों दिखती हैं? मैं कहती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह वह किरदार है जिसे मैं निभा रही हूं और यह मुझे सच में एक्साइट करता है। एक्ट्रेस ने माना कि इंडस्ट्री में लोग बड़ी उम्र के एक्टर्स को अच्छे रोल देने से हिचकिचाते हैं। उन्होंने कहा, यह सिर्फ इसी इंडस्ट्री में होता है कि महिलाओं की एक एक्सपायरी डेट होती है। यह बहुत दुख की बात है। 60 साल के पुरुष अभी भी रोमांटिक लीड रोल कर सकते हैं, जबकि महिलाएं नहीं कर सकतीं। मैंने कभी इस बारे में ज्यादा परवाह नहीं की। आपको बता दें कि मोना सिंह ने 23 जनवरी को रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल की पत्नी का किरदार निभाया है। इसके लिए उनकी काफी तारीफ हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। छह दिनों में इसने 213 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। मोना ने कोहरा सीजन 2 का हिस्सा बनने को एक बहुत बड़ा सम्मान बताया। दूसरे सीजन में, वह धनवंत कौर का रोल निभा रही हैं।

# यहां अपनों की मृत्यु पर शिवलिंग किये जाते हैं दान, ये दिलचस्प किस्सा सुन उड़ जाएंगे होश!

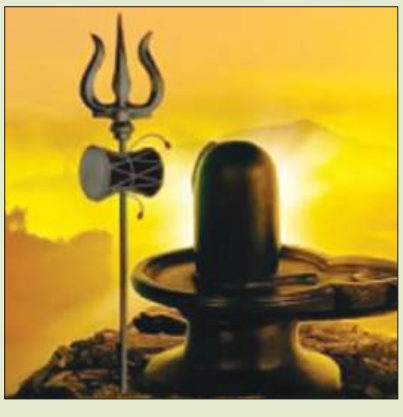

जंगमवाड़ी मठ वाराणसी के सभी मठों में सबसे प्राचीन माना जाता है। लगभग 50,000 स्क्वायर फीट क्षेत्र में फैला यह मठ अपनी अनोखी धार्मिक परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। यहां आत्मा की शांति के लिए पिंडदान की बजाय शिवलिंग दान की परंपरा निभाई जाती है, जो इसे अन्य तीर्थ स्थलों से अलग बनाती है।

इस मठ में एक-दो नहीं बल्कि लाखों शिवलिंग एक साथ विराजमान हैं। मृत आत्माओं की मुक्ति और अकाल मृत्यु वालों की शांति के उद्देश्य से यहां शिवलिंग स्थापित किए जाते हैं। सैकड़ों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के कारण एक ही छत के नीचे अब तक दस लाख से ज्यादा शिवलिंग स्थापित हो चुके हैं। हिंदू धर्म में जिस विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ पिंडदान किया जाता है, उसी तरह यहां भी विधिवत मंत्रों के साथ शिवलिंगों की स्थापना की जाती है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु आकर शिवलिंग अर्पित करते हैं। समय के साथ जो शिवलिंग क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, उन्हें मठ परिसर में ही सुरक्षित स्थान पर रख दिया जाता है। यह मठ मुख्य रूप से दक्षिण भारतीय परंपरा से जुड़ा हुआ है। जिस प्रकार हिंदू अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए पिंडदान करते हैं, उसी तरह वीरशैव संप्रदाय के अनुयायी अपने पितरों की शांति के लिए शिवलिंग दान करते हैं। सावन के महीने में यहां सबसे ज्यादा संख्या में शिवलिंगों की स्थापना होती है। यह विशिष्ट परंपरा पिछले करीब 250 वर्षों से लगातार चली आ रही है।

अजब-गजब | यहां के सड़क, घर, सबकुछ हैं खतरे में

# जमीन पर नहीं, बर्फ पर बसा है ये शहर लोगों के पैरों तले पिघल रही यहां की दुनिया

दुनिया के सबसे ठंडे शहरों में शुमार याकुत्स्क (याकुतिया गणराज्य, रूस) अब एक अनोखे संकट से जूझ रहा है। आमतौर पर शहरों को जमीन पर बसाया जाता है लेकिन ये शहर बर्फ पर बसी है। दुनिया का सबसे ठंडा शहर जमीन पर नहीं, बल्कि परमाफ्रॉस्ट (सदियों से जमी बर्फीली मिट्टी) पर बसा है। परमाफ्रॉस्ट ने सदियों तक इमारतों, सड़कों और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत आधार दिया, लेकिन ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण यह अब तेजी से पिघल रही है। इससे अब एक बड़ा संकट पैदा होने लगा है। बर्फ के पिघलने की वजह से शहर के नीचे की जमीन धंस रही है। साथ ही इमारतें झुक रही हैं और सड़कें टूट रही हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगर तापमान इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो अगले 30-50 सालों में याकुत्स्क का बड़ा हिस्सा तबाह हो सकता है।

याकुत्स्क सखा गणराज्य की राजधानी है, जहां जनवरी में तापमान -50°C तक गिर जाता है। यहां की आबादी करीब 3.5 लाख है। शहर की 90 प्रतिशत इमारतें परमाफ्रॉस्ट पर पाइल्स (लंबे स्टील के खंभे) पर टिकी हैं, ताकि इमारतों की गर्मी जमीन को ना पिघला

सके। लेकिन पिछले 50 सालों में औसत तापमान 2-3 डिग्री बढ़ चुका है। परमाफ्रॉस्ट की ऊपरी लेयर (एक्टिव लेयर) हर साल ज्यादा गहराई तक पिघल रही है। इससे जमीन असमान रूप से धंस रही है, जिसे 'थर्मल करो' कहते हैं।

2025 की रिपोर्ट्स के मुताबिक, याकुत्स्क में 40प्रतिशत से ज्यादा इमारतें प्रभावित हैं। कई स्कूल, अस्पताल और अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में दरारें आ गई हैं। सड़कें उभर रही हैं, पाइपलाइंस फट रही हैं और पानी की सप्लाई बाधित हो रही है। एक अध्ययन में पाया गया कि 2050 तक परमाफ्रॉस्ट की गहराई 2-4 मीटर तक कम हो सकती है, जिससे शहर की 70प्रतिशत इमारतें अस्थिर हो जाएंगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि आर्कटिक क्षेत्र ग्लोबल औसत से 3-4 गुना तेज गर्म हो रहा है। याकुत्स्क में पिछले 10 सालों में रिकॉर्ड गर्मियां देखी गईं।

परमाफ्रॉस्ट पिघलने से मीथेन और कार्बन रिलीज हो रहा है, जो ग्लोबल वॉर्मिंग को और तेज करता है। यह एक खतरनाक फीडबैक लूप है। शहर के निवासी अब इमारतों को मजबूत करने के लिए नए तरीके अपनाने पर मजबूर हैं। कुछ जगहों पर इमारतें उठाकर नए पाइल्स लगाए जा रहे हैं। लेकिन यह महंगा है। एक इमारत को रिपेयर करने में करोड़ों रुपये लगते हैं। इस वजह से कई परिवार शहर छोड़कर जा रहे हैं। यह स्थिति सिर्फ याकुत्स्क की नहीं, बल्कि पूरे साइबेरिया, अलास्का और कनाडा के आर्कटिक शहरों की है। हजारों गांव और शहर परमाफ्रॉस्ट पर बसे हैं। IPCC रिपोर्ट्स चेतावनी देती हैं कि 2100 तक 69 प्रतिशत परमाफ्रॉस्ट गायब हो सकती है।

# अजित पवार के निधन के बाद विरासत पर मंथन

## पत्नी और रास सांसद सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का नया उपमुख्यमंत्री बनाने पर चर्चा

### » महायुति सरकार के सामने मांग रखेगी एनसीपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**मुंबई। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद खाली हुए राजनीतिक शून्य को भरने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने अपनी रणनीति तैयार कर ली है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी अजित पवार की पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का नया उपमुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव महायुति सरकार के सामने रखने वाली है।**

सूत्रों ने आगे कहा कि पूरी संभावना है कि सुनेत्रा पवार अजित पवार द्वारा खाली की गई सीट से चुनाव लड़ेंगी। इस प्रस्ताव में सुनेत्रा पवार को उप मुख्यमंत्री के रूप में शामिल करना शामिल होगा। एनसीपी नेताओं के प्रस्ताव और भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा करने के लिए देवेंद्र फडणवीस से भी मिलने की उम्मीद है। सूत्रों ने आगे कहा कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल इस चरण के दौरान एनसीपी को चलाने में नेतृत्व कर सकते हैं। एनसीपी (एसपी) के साथ संभावित विलय पर चर्चा बाद के चरण में होने की संभावना है।

### कैबिनेट में शामिल करने की मांग तेज

एनसीपी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के एफडीए मंत्री नरहरि जरिवाल ने बताया कि जनता चाहती है कि सुनेत्रा पवार को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए। सूत्रों के अनुसार, एनसीपी के वरिष्ठ नेताओं प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, धनंजय मुंडे और सुनील तटकरे ने आंतरिक सलाह-मशविरे के तहत सुनेत्रा पवार से मुलाकात की है।

### महायुति के समीकरण

अजित पवार की एनसीपी वर्तमान में भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ महायुति गठबंधन का हिस्सा है। एनसीपी नेताओं के जल्द ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलकर सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव औपचारिक रूप से रखने की उम्मीद है।

## राकांपा के दोनों गुटों के विलय के इच्छुक थे अजित : किरण गुजर

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री दिवंगत अजित पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के विलय के इच्छुक थे और उनकी यह इच्छा जल्द ही साकार होने वाली थी। अजित पवार के करीबी सहयोगी किरण गुजर नेयह दावा किया। गुजर 1980 के दशक के मध्य में अजित पवार के राजनीति में कदम रखने से पहले से ही उनसे जुड़े हुए थे। उन्होंने बताया कि पवार ने बुधवार को हुए विमान हादसे से ठीक पांच दिन पहले उनसे इस बारे में बात की थी। गुजर ने कहा, ''वह दोनों गुटों के विलय के लिए बहुत उत्सुक थे। उन्होंने मुझे पांच दिन पहले बताया था कि प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अगले कुछ दिनों में विलय होने वाला है।अजित पवार ने हाल ही में संपन्न नगर निकाय चुनावों के दौरान कुछ चुनिंदा संवाददाताओं से बातचीत में कहा था कि वह अपनी पार्टी का शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (शरद चंद्र पवार) में विलय करने का इरादा रखते हैं। राकांपा और राकांपा (शरद चंद्र पवार) ने पुणे और पिंपरी चिंचवड में नगर निकाय चुनाव गठबंधन में लड़ा था। दोनों ने अगले महीने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए भी गठबंधन बरकरार रखने का फैसला किया था। गुजर ने कहा कि अजित पवार के पास विलय और संयुक्त राकांपा के भविष्य के मार्ग के लिए एक रोडमैप तैयार था। यह पूछे जाने पर कि क्या अजित पवार ने शरद पवार से इस मुद्दे पर चर्चा की थी, गुजर ने कहा कि ''पवार साहब, सुप्रिया ताई (सुप्रिया सुले) और अन्य नेताओं के साथ सकारात्मक बातचीत चल रही थी'' और संकेत मिल रहे थे कि शरद पवार इस कदम का समर्थन करेंगे। गुजर ने कहा, ''कई सकारात्मक संभावनाएं उभर रही थीं, लेकिन इस त्रासदी ने अजित दादा को हमसे छीन लिया। अब उनकी मृत्यु के बाद यह और भी अधिक अनिवार्य हो गया है कि दोनों गुट एकजुट होकर बारामती और राज्य की बेहतरी के लिए काम करें।

**सड़क सुरक्षा माह**

## परखी मोटर ट्रेनिंग स्कूलों की व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। सड़क सुरक्षा माह के तहत गाजीपुर जनपद में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एआरटीओ धनबीर सिंह यादव व पीटीओ लव कुमार सिंह ने मोटर ट्रेनिंग स्कूलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सेंटरों का बारीकी से मुआयना करके एक-एक चीज को परखा। हालांकि सेंटरों में सब कुछ उचित पाया गया। अधिकारियों ने सेंटर संचालकों को व्यवस्था को इसी तरह बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारियों ने सारथी मोटर ट्रेनिंग , तेज सिंह मोटर ट्रेनिंग स्कूल का मुआयना किया। इसमें उन्होंने ट्रैक का भी निरीक्षण किया।**

## अपनी जिम्मेदारी से भागी मोदी सरकार : प्रियंका

### » शिवसेना (यूबीटी) सांसद यूजीसी को लेकर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए समानता नियमों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने का स्वागत करते हुए, शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने गुरुवार को केंद्र सरकार की व्यापक विरोध के बाद अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने के लिए आलोचना की।**

एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि मुझे खुशी है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप किया और यूजीसी के उन दिशानिर्देशों पर रोक लगा दी, जो अस्पष्ट, मनमाने और परिसरों में और अधिक भेदभाव पैदा करने का प्रयास थे। मुझे ट्रोल किया गया,

गालियां दी गईं और मेरे उपनाम का इस्तेमाल करते हुए मुझ पर अपशब्द कहे गए, जो भी हो। न्याय की स्वाभाविक प्रक्रिया के विरुद्ध जो भी हो, मैं उसे उठाती रहूंगी और उसके लिए अपनी आवाज उठाती रहूंगी। प्रियंका चतुर्वेदी ने आगे कहा कि भारत सरकार द्वारा हस्तक्षेप करने और यूजीसी के दिशानिर्देशों को वापस लेने की अपनी जिम्मेदारी से पूरी तरह पल्ला झाड़ना यह दर्शाता है कि वे लोगों के विरोध को कोई सम्मान या महत्व नहीं देते हैं। और जो लोग चुप रहे, समय उनका हिसाब लेगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2026 में सामान्य वर्ग के खिलाफ कथित भेदभाव को लेकर देश भर में मचे बवाल के बीच, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इन विनियमों पर रोक लगा दी। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि फिलहाल 2012 के यूजीसी विनियम लागू रहेंगे। न्यायालय ने कहा कि विनियम 3 (सी) (जो जाति आधारित भेदभाव को परिभाषित करता है) में पूर्ण अस्पष्टता है और इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। न्यायालय ने कहा, भाषा को संशोधित करने की आवश्यकता है।

## विजय एक अच्छे अभिनेता हो सकते हैं नेता नहीं: पलानीस्वामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई के पलानीस्वामी ने करूर में भगदड़ की घटना को लेकर अभिनेता से नेता बने विजय की बृहस्पतिवार को कड़ी आलोचना की और दावा किया कि उक्त हादसा योजना एवं प्रबंधन की कमी के कारण हुआ। यह विजय के खिलाफ पलानीस्वामी की पहली आलोचनात्मक टिप्पणी है। पलानीस्वामी ने सलेम में पार्टी के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''विजय एक अच्छे अभिनेता हो सकते हैं, लेकिन नेता नहीं।'' उन्होंने पिछले साल 27 सितंबर को करूर में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की रैली में भगदड़ को लेकर पार्टी प्रमुख विजय पर निशाना साधा। इस घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। पलानीस्वामी ने कहा कि विजय ने पार्टी की बिना उचित योजना के आयोजित रैली को संबोधित किया था, जिसके कारण मौतें हुईं। उन्होंने आरोप लगाया, विजय ने पीड़ितों को सांत्वना देने के लिए उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात नहीं की। अन्नाद्रमुक के नेता और कार्यकर्ता सुनामी या चक्रवात के दौरान लोगों की देखभाल करने में हमेशा आगे रहते थे। पलानीस्वामी अभी तक तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को करूर भगदड़ के लिए जिम्मेदार ठहराते आए थे। उनका आरोप था कि खराब सुरक्षा इंतजामके कारण यह घटना घटी, क्योंकि विजय एक लोकप्रिय अभिनेता हैं और उनके कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ना तय है। उन्होंने कहा था, लोगों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करना राज्य सरकार और पुलिस का कर्तव्य है।**

# ग्रेस-मंधाना ने यूपी वॉरियर्स को दिया झटका

### » आरसीबी फाइनल में पहुंची

### » ग्रेस-मंधाना की शानदार साझेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**वडोदरा। स्मृति मंधाना और ग्रेस हैरिस की शानदार साझेदारी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही आरसीबी की टीम ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया है, जबकि यूपी का सफर लगभग समाप्त हो गया है। हालांकि, यूपी का ग्रुप चरण का एक मैच शेष है।**

यूपी ने दीप्ति शर्मा के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 143 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 41 गेंदें शेष रहते हुए दो विकेट पर 147 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। आरसीबी के लिए ग्रेस हैरिस और स्मृति मंधाना ने मजबूत शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी पूरी कर की। इन दोनों बल्लेबाजों ने यूपी वॉरियर्स के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। इस दौरान हैरिस ने अपना अर्धशतक भी पूरा किया और वह तेजी से शतक की ओर बढ़ रही थीं। हालांकि, शिखा पांडे ने हैरिस को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। हैरिस 37 गेंदों पर 13 चौकों और दो छक्कों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हुईं। हैरिस और मंधाना ने पहले विकेट के लिए 108 रन जोड़े। हैरिस के आउट होने के बाद मंधाना ने मोर्चा संभाला और तेजी से रन बनाए। मंधाना ने भी अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन आरसीबी ने जीत दर्ज करने से पहले जॉर्जिया वोल का विकेट गंवाया जो 15 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 16 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, मंधाना 27 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 54 रन बनाकर नाबाद रहीं। यूपी के लिए शिखा पांडे और आशा शोभना को एक-एक विकेट मिला।

### अच्छी शुरुआत के बाद लड़खड़ाई पारी

यूपी वॉरियर्स की पारी अच्छी शुरुआत के बाद लड़खड़ा गई। डि क्लर्क की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से आरसीबी ने वापसी की। एक समय 70+ रन पर एक भी विकेट नहीं गंवाने वाली यूपी ने 122 रन पर पांच विकेट गंवा दिए। यूपी के लिए क्लोए ट्रियोन छह और श्वेता सहरावत सात रन बनाकर आउट हुईं। दीप्ति शर्मा हालांकि अर्धशतक पूरा करने में सफल रहीं, लेकिन वह 43 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुईं। इसके तुरंत बाद सोफी एक्लेस्टोन खाता खोले बिना पवेलियन लौटीं। सिमरन शेख ने 10 रन बनाए। वहीं, आरसीबी के लिए नादिने डि क्लर्क ने चार विकेट लिए, जबकि ग्रेस हैरिस ने दो और लॉरेन बेल तथा श्रेयांका पाटिल को एक-एक विकेट लिया।

# बापू एक व्यक्ति नहीं सोच हैं : राहुल गांधी

## नेता प्रतिपक्ष ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर किया नमन, बोले कांग्रेस सांसद- अहंकारी सत्ता ने इसे मिटाने की असफल कोशिश की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शु क्र वार को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया और कहा कि बापू एक व्यक्ति नहीं, बल्कि सोच हैं जो कभी मिट नहीं सकती क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस सोच को कभी अंग्रेजी साम्राज्य ने, कभी नफ़रत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया, महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं –वह सोच जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी नफ़रत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। मगर राष्ट्रपिता ने हमें आज़ादी के साथ यह मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताक़त से बड़ी सत्य की शक्ति होती है और हिंसा व भय से बड़े अहिंसा और साहस। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सोच मिट नहीं सकती, क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। राहुल गांधी

ने कहा, बापू को उनके शहीदी दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि।

### कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने साझा किए वीडियो

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सरदार वल्लभभाई पटेल और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बीच 1948 में हुए पत्राचार का उल्लेख करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, महात्मा गांधी की हत्या से दो दिन पहले पंडित जवाहरलाल नेहरू ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को एक पत्र लिखा था। कुछ महीनों बाद, 18 जुलाई 1948 को, सरदार पटेल ने भी श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पत्र लिखा। उन्होंने कहा, इन दोनों पत्रों में स्वयं को राष्ट्रवाद का स्वघोषित संरक्षक बताने वालों पर बेहद गंभीर आरोप हैं। यह सोचकर हैरानी होती है कि उसी विचारधारा से जुड़े एक लोकसभा सदस्य (अभिजीत गंगोपाध्याय), जिन्हें स्वयं प्रधानमंत्री का आशीर्वाद मिला है, ने यह कहा कि वह गांधी और गोडसे के बीच चयन नहीं कर सकते। उनकी यह मानसिकता बहुत कुछ स्पष्ट कर देती है। उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के राष्ट्र के नाम संबोधन से जुड़ा एक लिंक भी साझा किया। नाथूराम गोडसे ने 30 जनवरी, 1948 को नयी दिल्ली में एक प्रार्थना सभा के दौरान महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

# राहुल पर बीटिंग रिट्रीट समारोह में शामिल न होने पर मचा बवाल

### » भाजपा का तंज- देश को आराम-प्रचार वाला नेता नहीं चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नई दिल्ली के विजय चौक पर आयोजित बीटिंग रिट्रीट समारोह में शामिल न होने के कारण आलोचनाओं के घेरे में आ गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता जयवीर शेरगिल ने गांधी की इस बात पर तीखी टिप्पणी की कि उन्होंने बीटिंग रिट्रीट समारोह के साथ-साथ उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह, स्वतंत्रता दिवस समारोह और भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के शपथ ग्रहण समारोह जैसे अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भी भाग नहीं लिया।

शेरगिल ने एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी द्वारा छोड़ी गई घटनाएं, बीटिंग रिट्रीट, उपराष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह, स्वतंत्रता दिवस समारोह, भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का शपथ ग्रहण समारोह। उन्होंने मलेशिया, वियतनाम और कोलंबिया में भाग लिया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को विपक्ष के नेता की जरूरत है, न कि आराम और प्रचार करने वाले नेता की। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं था, क्योंकि राहुल गांधी को इससे पहले इस साल की शुरुआत में स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल न होने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था, खबरों के अनुसार बैठने की व्यवस्था से असंतोष के कारण। इस बीच, 77वें गणतंत्र दिवस समारोह का समापन गुरुवार को विजय चौक पर पारंपरिक बीटिंग रिट्रीट समारोह के साथ हुआ, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैन्य और अर्धसैनिक बैंडों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके कौशल और राष्ट्र के इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों को सम्मान देने के तरीके की प्रशंसा की।

# अजित पवार की मौत पर नहीं थी मची रार

### » संजय राउत ने उठाए सवाल- न रडार, न पर्याप्त स्टाफ था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय संजय राउत ने एक बार फिर केंद्र और महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अजित पवार की प्लेन क्रै श में मौत को लेकर तकनीकी लापरवाही की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इसी वजह से हमने उन्हें खो दिया। साथ ही रिपब्लिक डे परेड में विपक्ष के नेताओं को पीछे बिठाए जाने को लोकतंत्र और प्रोटोकॉल का अपमान बताया।

संजय राउत ने कहा कि अजित पवार की मौत को राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसकी गंभीर तकनीकी जांच होनी चाहिए. उनका आरोप है कि जिस एयरपोर्ट पर हादसा हुआ, वहां जरूरी सुविधाओं का भारी अभाव था। संजय राउत ने सवाल उठाया कि वहां न तो एटीसी है, न रडार और न ही पर्याप्त स्टाफ, इसके बावजूद बड़े-बड़े वीआईपी विमानों की लैंडिंग और टेकऑफ कराई जाती रही। उन्होंने कहा कि अजित पवार, शरद पवार और उद्योगपति गौतम अडानी जैसे लोग भी इसी एयरपोर्ट का इस्तेमाल करते रहे हैं। सवाल यह है कि डीजीसीए क्या कर रहा था और इतनी बड़ी चूक पर पहले कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

राउत ने बारामती एयरपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि वहां बुनियादी तकनीकी सुविधाएं ही नहीं हैं। देश और महाराष्ट्र में कई हवाई पट्टियां बना दी गई हैं, लेकिन उनके संचालन के लिए न तो सिस्टम है और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम. ऐसे में हादसों की आशंका बनी रहती है और अजित पवार की मौत इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

### विपक्ष के अपमान का लगाया आरोप

रिपब्लिक डे परेड को लेकर संजय राउत ने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ नेताओं को पांचवीं कतार में बिठाया गया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. उनके मुताबिक, प्रोटोकॉल के अनुसार दोनों नेता प्रतिपक्ष को सम्मान के साथ आगे बैठाया जाना चाहिए था। राउत ने कहा कि पहली-दूसरी कतार में ऐसे लोग बैठे थे जिनका प्रोटोकॉल से कोई लेना-देना नहीं था, जबकि विपक्ष के नेता पीछे थे. यह लोकतंत्र के लिए विदारक दृश्य था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें विपक्ष को कमजोर करने के लिए हर स्तर पर नियम-कानून बदलने की कोशिश कर रही हैं, जो देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

# देश में सामने आए निपाह वायरस के दो मामले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में निपाह वायरस के दो मामले सामने आए हैं। इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य

संगठन ने शुक्रवार, 30 जनवरी को कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, भारत में निपाह वायरस फैलने का खतरा कम है।

ग्लोबल हेल्थ एजेंसी ने अपनी वेबसाइट पर शेयर किए एक अपडेट में कहा, भारत में इंसानों के बीच संक्र मण बढ़ने का कोई सबूत नहीं है, जिससे राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक जोखिम कम बना हुआ है। पश्चिम बंगाल के ये दोनों मामले उत्तर 24 परगना जिले में सामने आए थे। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि ये मामले इसी जिले तक सीमित हैं और जब मरीजों में लक्षण दिख रहे थे, तब उनके यात्रा करने की कोई रिपोर्ट नहीं है।

## बीएसएफ की बाड़बंदी पर बंगाल में उठे सवाल

# टीएमसी नेता कुणाल घोष ने पूछा-फेंसिंग के बाद भी घुसपैठ क्यों नहीं रुकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता कुणाल घोष ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस निर्देश पर प्रतिक्रि या दी जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को जमीन सौंपने को कहा गया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही बीएसएफ को जमीन सौंप चुकी है और बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र सीमा रेखा से 15 किलोमीटर से बढ़कर 50 किलोमीटर हो गया है।

घोष ने बीएसएफ पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि जिन इलाकों में बाड़ लगाई गई है, वहां से भी लोग सीमा पार कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राजनीतिक कारणों से एक तरफ कुछ हेराफेरी हो रही है। घोष ने पत्रकारों से कहा कि मैं उच्च न्यायालय के आदेश पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। बीएसएफ ने राज्य सरकार द्वारा सौंपी गई भूमि पर पहले ही बाड़ लगा दी है। उन्होंने सीमा रेखा से बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) के अधिकार क्षेत्र को 15 किमी से बढ़ाकर 50 किमी कर दिया है। जिस भूमि पर बाड़ लगी है, उस पर अभी तक बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं हुआ है। एक और मुद्दा यह है कि जहां बीएसएफ ने बाड़ लगा दी है, वहां से लोग अभी भी सीमा पार क्यों कर रहे हैं? यह राज्य पुलिस का मामला नहीं है; यह बीएसएफ की जिम्मेदारी है। इसलिए मैं उच्च न्यायालय के आदेश पर टिप्पणी नहीं कर सकता। लेकिन बीएसएफ का रवैया भ्रामक है। राजनीतिक कारणों से एक पक्ष में कुछ हेराफेरी हो रही है। इससे पहले, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल से सटी भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) पर बाड़ न लगने के मुद्दे का संज्ञान लिया था और राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह जल्द से जल्द सीमा पर बाड़ लगवाए। इस मामले की अगली सुनवाई 14 फरवरी, 2026 को होगी।

# योगी सरकार पर फिर बरसे शंकराचार्य

## बोले अविमुक्तेश्वरानंद- गाय का मांस बेचकर राम राज्य की स्थापना नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रयागराज माघ मेले में प्रशासन से हुए विवाद को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने वाराणसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार और प्रशासन पर जमकर निशाना साधा।

इस दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हमसे शंकराचार्य होने का सबूत मांगा गया, कहा गया कि 24 घंटे के अंदर बताएं। फिर कहा गया कि क्यों न मेले में प्रवेश से ही वंचित कर दिया जाए? हमने उन्हें जवाब दे दिया है 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा था और हमारे दिए गए जवाब को अब तक उन्होंने

नहीं काटा है इसका मतलब उन्हें हमारी बात सही लगी। इसके साथ ही शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि अब अपने प्रमाण मांग लिया था अब आपको प्रमाण देना होगा, आपको हिंदू होने का प्रमाण देना होगा. उन्होंने कहा कि केवल भाषण से नहीं भगवा से नहीं दिखाई देता है हिंदुत्व, आपने गौ सेवा के लिए क्या किया है जो हिंदुत्व के लिए पहली सीढ़ी है. हिंदू होने की पहली शर्त है गोत्र गौ रक्षक होना उसके बाद हर सीढ़ी, और इसीलिए हम आपसे हिंदू होने का प्रमाण मांग रहे हैं. हम आपको 40 दिन का समय दे रहे हैं, आप हिंदू और गौ भक्त हिंदू होने का प्रमाण दीजिए. अगर नहीं दे पाते हैं तो समझ जाएगा कि आप नकली हिंदू हैं, छद्म हिंदू हैं, कालनेमि है ढोंगी हैं। वहीं शंकराचार्य ने कहा कि गाय का मांस बेचकर आप डॉलर से राम राज्य की स्थापना करेंगे। आपने गौ माता के मांस को भैंस का मांस बताकर बचाव किया।

### 40 दिन में गौ माता को राज्य माता की दर्जा देने की मांग

अगर 40 दिन में आप गौ माता को राज्य माता नहीं घोषित कर पाए तो आपको छद्म हिंदू घोषित किया जाएगा। प्रयागराज में पुनः स्नान के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा अब वह बात पीछे छूट गई है अब बात असली हिंदू नकली हिंदू की है। अधिकारियों की तरफ से यह बात आई थी लेकिन उसके लिए वह आगे आए नहीं और हमें बहुत बात कहना चाह रहे थे लेकिन हमने स्वीकार नहीं किया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in । RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।